www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexp

WORLD खबर EXPRESS

रविवार, 10-04-2022 अंक-97
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

WORLD
खबर एक्सप्रेस
MID DAY E-PAPER

फसल की कटाई-मड़ाई करते समय रहें सतर्क

सीएसए के शोध निदेशालय के वैज्ञानिक ने जारी की एडवाइजरी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कुलपति डॉ. डीआर सिंह के निर्देशन में आज शोध निदेशालय के वैज्ञानिक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि किसान अपने खेतों पर कार्य करने वाले लोगों के लिए सुरक्षात्मक कदम उठाते हुए फसलों की कटाई व मड़ाई करें।

उन्होंने कहा है कि गेहूं या सरसों की फसल काटते समय अपना मुंह मास्क या अंगोछे से ढक कर रखें। किसान कंबाइन मशीन, रीपर या अन्य यंत्रों जैसे हसिया से गेहूं की कटाई करते हैं, कृषि यंत्रों का प्रयोग करते समय कभी-कभी चिंगारियां निकलती है या फसल कटाई करने वाले लोग धूम्रपान करते हैं जिसकी चिंगारी से फसल जलकर राख हो सकती है। ऐसे में किसान सावधानी बरतें कि कोई धूम्रपान न करे। किसानों के पास फसल मड़ाई करते समय अनुपयोगी जूट के बोरे होने चाहिए जिन्हें पानी में डुबोकर थ्रेशिंग कार्य करते समय आसपास जरूर रखें जिससे आग लगने पर गीले बोरों को डालकर आग बुझाई जा सकें व बड़ी दुर्घटना से बचा जा सकें। मड़ाई यंत्र को समतल दशा में स्थापित करें तथा थ्रेसर में लगाई गई सुरक्षा तंत्रों को न हटाए। डॉ. सिंह ने कहा कि थ्रेसर पर कार्य करते समय शरीर पर ढीले कपड़े, घड़ी, कड़ा पहनकर कार्य न करें।

थ्रेसर में हाथ उचित दूरी पर रखें

विवि के सहायक निदेशक शोध डॉ. मनोज मिश्रा ने बताया कि फसल थ्रेसर में लगाते समय हाथ को उचित दूरी पर ही रखें और थ्रेशिंग कार्य करते समय आपस में बात न करे। इस समय चौकस रहने की आवश्यकता होती है। थ्रेसर में किसी प्रकार का समायोजन तभी करें जब इंजन या मोटर बंद हो। थ्रेसर को चलाने के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले की थ्रेसर की सभी घूमने वाली वस्तुएं बिना रुकावट के घूम रही हो। किसान इन सब बातों को ध्यान में रखकर फसल की कटाई व मड़ाई का कार्य करें।

Sign in to edit and save changes to this file.

वर्ष : 07
अंक : 77
पृष्ठ : 08
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
सोमवार
11 अप्रैल 2022
मूल्य : 2 रुपये

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

पब्लिक व्यू

राजधानी लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदों में प्रसारित

फसल की कटाई मड़ाई करते समय रखें विशेष सावधानियां : डॉ. भानु

पब्लिक व्यू ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में शोध निदेशालय के वैज्ञानिक डॉक्टर भानु प्रताप सिंह ने एडवाइजरी जारी कर कहा है कि किसान भाई अपने खेतों पर कार्य करने वाले लोगों के लिए सुरक्षात्मक कदम उठाते हुए फसलों की कटाई एवं मड़ाई इत्यादि कार्य संपन्न करें। उन्होंने कहा है कि गेहूं या सरसों की फसल काटते समय अपना मुंह मास्क या अंगोछे से ढक कर रखें।

डॉक्टर भानु ने बताया कि किसान भाई कंबाइन मशीन, रीपर या अन्य यंत्रों जैसे हसिया द्वारा गेहूं की कटाई करते हैं कृषि यंत्रों के प्रयोग करते समय कभी-कभी चिंगारियां निकलती है या फसल कटाई करने वाले लोगों द्वारा धूम्रपान का प्रयोग किया जाता है ।

जिसकी चिंगारी से फसल जलकर राख हो सकती है ऐसे समय में किसान भाई सावधानी बरतें की कोई धूम्रपान न करने पाए किसान भाइयों के पास फसल मड़ाई करते समय अनुपयोगी जूट के बोरे आदि को पूर्ण रूप से पानी में डुबोकर थ्रेशिंग कार्य करते समय आसपास जरूर रखें। जिससे आग लगने की दशा में गीले बोरों को डालकर आग बुझाया जा सके। तथा बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके। मड़ाई यंत्र को समतल दशा में स्थापित करें तथा थ्रेसर में लगाई गई सुरक्षा तंत्रों को न हटाए । डॉ सिंह ने किसान भाइयों को यह भी एडवाइजरी दी है की थ्रेसर पर कार्य करते समय शरीर पर ढीले कपड़े, घड़ी, कड़ा इत्यादि पहनकर कार्य न करें।

विश्वविद्यालय के सहायक निदेशक शोध डॉ मनोज मिश्रा ने बताया कि फसल थ्रेसर में लगाते समय हाथ को उचित दूरी पर ही रखें तथा थ्रेशिंग कार्य करते समय आपस में बातें न करें। इस समय चौकस रहने की आवश्यकता होती है। डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि थ्रेसर में किसी प्रकार का समायोजन तभी करें जब इंजन या मोटर बंद हो।थ्रेसर को चलाने के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले की थ्रेसर की सभी घूमने वाली वस्तुएं बिना रुकावट के घूम रही हो। किसान भाई इन सब बातों को ध्यान में रखकर फसल की कटाई एवं मड़ाई का कार्य संपादित करें।

अवार्ड फॉर साइंस से सम्मानित किया गया। आयोजित किया गया। रहा है।

शोध

सीएसए के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र ने विकसित की नई प्रजाति

अमर उजाला 11/04/2022

अधिक पैदावार देकर आय बढ़ाएगा 'आजाद' खीरा

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र ने खीरे की नई प्रजाति विकसित की है। खीरे की इस प्रजाति का नाम आजाद अगेता रखा गया है। इसकी खासियत यह है कि अधिक पैदावार की वजह से यह किसानों की आय बढ़ाएगा और फसल चक्र भी सुधारेगा। किसानों का खेत जल्द खाली हो जाएगा तो वे दूसरी फसलें बो सकेंगे।

सीएसए के सब्जी विभाग अनुभाग के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. एसपी सचान ने यह प्रजाति विकसित की है। उन्होंने बताया कि खीरे की यह फसल कुल 60 दिन की है। इसमें 35 दिन में फल आने

लगते हैं, अमूमन दूसरी प्रजातियों में 45 दिन में फल आता है। दूसरे खीरों की फसल में खेत 90 दिन में खाली हो पाता है। अमूमन एक आम खीरे के पौधे में आठ फल आते हैं। इस प्रजाति में 11 फल आएंगे। इस प्रजाति का विमोचन प्रस्ताव प्रादेशिक प्रजाति विमोचन समिति लखनऊ के पास भेज दिया गया है। विमोचन के बाद बीज किसानों को उपलब्ध हो जाएंगे।

सब्जियों के पौधों के कीड़ों का खात्मा करेगा गेंदे से बना स्प्रे

कानपुर। सब्जियों के पौधों में लगने वाले कीड़ों को अब गेंदे से फूल से बना स्प्रे खत्म करेगा। पीपीएन कॉलेज के शिक्षक डॉ. सत्य प्रकाश श्रीवास्तव और मुरादाबाद के एसएल एजुकेशन इंस्टीट्यूट के असिस्टेंट प्रोफेसर सौरभ मिश्रा ने यह स्प्रे तैयार किया है। स्प्रे को प्रमाणन के लिए सीएसआईआर की लैब भेजने की तैयारी है। दावा है कि तीन दिन में यह स्प्रे कीड़ों का खात्मा कर देगा। डॉ. मिश्रा ने बताया कि पैराथरीन नामक रसायन इन कीटों का खात्मा करता है। गेंदे के फूल में पैराथरीन पाया जाता है। स्प्रे को उन्नाव जिले के किसानों को दिया गया। उन्होंने टमाटर और बैंगन के पौधों पर लगे कीड़ों पर 24, 48, 72 और 96 घंटे के अंतराल पर स्प्रे किया। छिड़काव के बाद कीड़े मृत पाए गए। उन्होंने बताया कि इसे बनाने के लिए 400 ग्राम गेंदे के फूलों को 24 घंटे के लिए छांव में सुखाएं। इसके बाद 500 एमएल पानी में इनको उबालें। जब पानी की मात्रा 350 एमएल रह जाए तो 20 मिनट ठंडा करने के बाद छान लें। छने पानी को स्प्रे बोतल में भरकर पौधों की पत्तियों के दोनों तरफ, फूल और जड़ों में डाल दें।

गर्मी और बारिश दोनों मौसम में होगा आजाद अगेता खीरा की बुआई गर्मी में फरवरी के पहले सप्ताह में होगी। वर्षाकालीन फसल 20 जून से 10 जुलाई के बीच बोई जा सकती है। आजाद अगेता खीरा की बुआई अगर समुचित प्रबंधन से की जाए तो प्रति हेक्टेयर में डेढ़ सौ क्विंटल पैदावार मिलती है।

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-45 कानपुर, सोमवार 11 अप्रैल 2022 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, महोबा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, बहराइच में प्रसारित

फसल की कटाई मड़ाई करते समय रखें विशेष सावधानियां-डॉ भानु

आज का कानपुर

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में शोध निदेशालय के वैज्ञानिक डॉक्टर भानु प्रताप सिंह ने एडवाइजरी जारी कर कहा है कि किसान भाई अपने खेतों पर कार्य करने वाले लोगों के लिए सुरक्षात्मक कदम उठाते हुए फसलों की कटाई एवं मड़ाई इत्यादि कार्य संपन्न करें। उन्होंने कहा है कि गेहूं या सरसों की फसल काटते समय अपना मुंह मास्क या अंगोछे से ढक कर रखें। डॉक्टर भानु ने बताया कि किसान भाई कंबाइन मशीन, रीपर या अन्य यंत्रों जैसे हंसिया द्वारा गेहूं की कटाई करते हैं कृषि यंत्रों के प्रयोग करते समय कभी-कभी चिंगारियां निकलती है या फसल कटाई करने वाले लोगों द्वारा धूम्रपान का प्रयोग किया जाता है जिसकी चिंगारी से फसल जलकर राख हो सकती है ऐसे समय में किसान भाई सावधानी बरतें की कोई धूम्रपान न करने पाए किसान भाइयों के पास फसल मड़ाई करते समय अनुपयोगी जूट के बोरे आदि को पूर्ण रूप से पानी में डुबोकर थ्रेशिंग कार्य करते समय आसपास जरूर रखें जिससे आग लगने की दशा में गीले बोरों को डालकर आग बुझाया जा सके तथा बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके मड़ाई यंत्र को समतल दशा में स्थापित करें तथा थ्रेसर में लगाई गई सुरक्षा तंत्रों को न हटाए डॉ सिंह ने किसान भाइयों को यह भी एडवाइजरी दी है की थ्रेसर पर कार्य करते समय शरीर पर ढीले कपड़े, घड़ी, कड़ा इत्यादि पहनकर कार्य न करें विश्वविद्यालय के सहायक निदेशक शोध डॉ मनोज मिश्रा ने बताया कि फसल थ्रेसर में लगाते समय हाथ को उचित दूरी पर ही रखें तथा थ्रेशिंग कार्य करते समय आपस में बातें न करें इस समय चौकस रहने की आवश्यकता होती है डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि थ्रेसर में किसी प्रकार का समायोजन तभी करें जब इंजन या मोटर बंद हो थ्रेसर को चलाने के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले की थ्रेसर की सभी घूमने वाली वस्तुएं बिना रुकावट के घूम रही हो किसान भाई इन सब बातों को ध्यान में रखकर फसल की कटाई एवं मड़ाई का कार्य संपादित करें।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

क्लीन बोल्ड हुए इमरान खान 12 | भव्यता के साथ मना श्रीरामलला का जन्मोत्सव 09

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 177
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper लखनऊ | सोमवार | 11 अप्रैल, 2022

'सुरक्षात्मक कदम उठाते हुए फसलों की कटाई–मड़ाई का कार्य करें किसान'

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश क्रम में रविवार को शोध निदेशालय के वैज्ञानिक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने एडवाइजरी जारी करते हुए किसानों को अपने खेतों पर कार्य करने वाले लोगों के लिए सुरक्षात्मक कदम उठाते हुए फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य कराने की सलाह दी। उन्होंने किसानों को बताया कि गेहूं या सरसों की फसल काटते समय अपना मुंह मास्क या अंगोछे से ढक कर रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि कंबाइन मशीन, रीपर या अन्य यंत्रों जैसे हसिया द्वारा गेहूं की कटाई मे कृषि यंत्रों के प्रयोग करते समय कभी-कभी निकलने वाली चिंगारियो और फसल कटाई करने वाले लोगों द्वारा धूम्रपान का प्रयोग करने के कारण चिंगारी से फसल जलकर राख हो सकती है इसलिए किसान सावधानी बरतें की कोई धूम्रपान न करने पाए। उन्होंने किसानों से फसल मड़ाई करते समय अनुपयोगी जूट के बोरे आदि को पूर्ण रूप से पानी में डुबोकर थ्रेशिंग कार्य करने के लिए कहा जिससे आग लगने की दशा में गीले बोरों को डालकर आग बुझाया जा सके। विश्वविद्यालय के सहायक निदेशक शोध डॉ.मनोज मिश्रा ने बताया कि फसल थ्रेसर में लगाते समय हाथ को उचित दूरी पर रखने के साथ थ्रेशिंग कार्य करते समय आपस में बातें नही करनी चाहिए। उन्होंने इंजन या मोटर के बंद होने पर ही थ्रेसर में किसी प्रकार का समायोजन करने की बात कही। उन्होंने कहा कि किसानो को इन सब बातों को ध्यान में रखकर फसल की कटाई एवं मड़ाई का कार्य करने की सलाह दी।

Sign in to edit and save changes to this file.

फसल की कटाई-मड़ाई करते समय सावधानी बरते किसान

कानपुर, 10 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज शोध निदेशालय के वैज्ञानिक डॉ भानु प्रताप सिंह ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहाकि किसान भाई अपने खेतों पर कार्य करने वाले लोगों के लिए सुरक्षात्मक कदम उठाते हुए फसलों की कटाई एवं मड़ाई इत्यादि कार्य करना चाहिये। उन्होंने कहा है कि गेहूं या सरसों की फसल काटते समय अपना मुंह मास्क या अंगोछे से ढक कर रखें। डॉक्टर भानु ने बताया कि किसान भाई कंबाइन मशीन, रीपर या अन्य यंत्रों जैसे हसिया द्वारा गेहूं की कटाई करते हैं कृषि यंत्रों के प्रयोग करते समय कभी-कभी चिंगारियां निकलती है या फसल कटाई करने वाले लोगों द्वारा धूम्रपान का प्रयोग किया जाता है, जिसकी चिंगारी से फसल जलकर राख हो सकती है ऐसे समय में किसान भाई सावधानी बरतें की कोई धूम्रपान न करने पाए किसान भाइयों के पास फसल मड़ाई करते समय अनुपयोगी जूट के बोरे आदि को पूर्ण रूप से पानी में डुबोकर थ्रेशिंग कार्य करते समय आसपास जरूर रखें। जिससे आग लगने की दशा में गीले बोरों को डालकर आग बुझाया जा सके। तथा बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके। मड़ाई यंत्र को समतल दशा में स्थापित करें तथा थ्रेसर में लगाई गई सुरक्षा तंत्रों को न हटाए । डॉ सिंह ने किसान भाइयों को यह भी एडवाइजरी दी है की थ्रेसर पर कार्य करते समय शरीर पर ढीले कपड़े, घड़ी, कड़ा इत्यादि पहनकर कार्य न करें। विश्वविद्यालय के सहायक निदेशक शोध डॉ मनोज मिश्रा ने बताया कि फसल थ्रेसर में लगाते समय हाथ को उचित दूरी पर ही रखें तथा थ्रेशिंग कार्य करते समय आपस में बातें न करें। इस समय चौकस रहने की आवश्यकता होती है।